वलीमा

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

1] रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया की सबसे बुरा खाना उस वलीमे का खाना है जिसमें मालदारों को बुलाया जाए और गरीबों को भुला दिया जाए, और जिस शख्स ने वलीमे की दावत कुबूल ना की उसने अल्लाह और रसूल! नाफरमानी की. इस रिवायत से मालूम हुआ की वलीमा सुन्नत है और जिस वलीमे में मालदारों को बुलाया जाए और सोसाईटी के गरीबों को ना बुलाया जाए वो बुरा वलीमा है, और दावत को बगैर किसी मजबूरी के कुबूल ना करना सुन्नत के खिलाफ है.

_बुखारी मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

2] रसूलुल्लाहﷺ ने फासिक (बुरे) लोगों की दावत कुबूल करने से रोका है. "फासिक" वो जो अल्लाह और रसूल! के आदेशों को परी ढिठाई के साथ तोडता हो, हलाल और हराम का खयाल नहीं रखता तो ऐसे शख्स की दावत में

नाजाना चाहिए जो शख्स दीन की बेइज्ज़ती करता है, दीनवाले उस्की इज़्ज़त को बढाने कैसे जासकते है, दोस्त का दुश्मन दोस्त नहीं हो सकता हां उस्की दावत को अच्छे अन्दाज में और मोमिनों की जुबान में कुबूल करने से मना करदे.

_मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी इमरान बिन हुसैन रदी.